13	कुमारी अपर्णा एस श्री डी सुरेश की सुपुत्री उ प्र (यूटिलिटीस), यू डी	95
14	मास्टर नेवल डिक्रूस श्री मानुअल डिक्रूस का सुपुत्र हेडक्राफ्ट्समैन, आर डी	94
15	कुमारी ग्रीष्मा एम एस श्री पी मुरलीधरन की सुपुत्री तकनीशियन व क्राफ्ट्समैन इलेक्ट्रिकल अनुरक्षण, पी डी	88

प्रत्येक संभागों को हिंदी क्लबों के अच्छे संचालन के लिए ट्रोफियां:-

एफ ए सी टी के सभी संभागों में हर वर्ष में प्रत्येक तिमाही में 4 हिंदी संगम का आयोजन कर रहे हैं । इस वर्ष में हिंदी क्लबों के अच्छे संचालन के लिए **पेट्रोकेमिकल संभाग** को चुनाया गया है। बाकी संभागों जैसे कोचीन संभाग, फिऊ, फेडो, मुख्यालय और उद्योगमंडल संभाग को भी अच्छे संचालन के लिए ट्रोफियां प्रदान की गई।

प्रत्येक संभागों को कंपनी के हिंदी कार्यान्वयन में समग्र निष्पादन के लिए ट्रोफियां:-

हिंदी के कार्यान्वयन में समग्र निष्पादन के लिए **उद्योगमंडल संभाग और मुख्यालय** को चुनाया गया। बाकी संभागों जैसे कोचीन संभाग, फेडो, फिऊ, विपणन संभाग और पेट्रोकेमिकल संभाग को भी ट्रोफियां प्रदान की गई।

हिंदी में अधिकतम पत्र लिखने वाले अधिकारियों को पुरस्कार

श्रीमती एन अंबिका, प्रबंधक (प्रशा), मुख्यालय	-	प्रथम पुरस्कार
श्री अब्रहाम, सहायक अधिकारी (वित्त) मुख्यालय	-	द्वितीय पुरस्कार
श्री जॉर्ज सतीश, उप मुख्य प्रबंधक (वित्त) मुख्यालय	-	तृतीय पुरस्कार

हिंदी में अधिकतम काम करनेवाले अधिकारियों / कर्मचारियों को पुरस्कार।

श्रीमती अंबिकाकुमारी जी क नि स, मुख्यालय	-	प्रथम पुरस्कार
श्रीमती तंकम जेकब पेरेरा, लाइब्रेरियन कोचीन संभाग	-	द्वितीय पुरस्कार
श्री वी जी राधाकृष्णन, क नि स, पेट्रोकेमिकल संभाग	-	तृतीय पुरस्कार

पुरस्कार वितरण के बाद सहायक अधिकारी, श्रीमती रीना एस कम्मत ने कृतज्ञता भाषण किया। राष्ट्रगान के साथ अपराह्न 4.00 बजे समारोह समाप्त हुआ।

हिंदी के बिना भारत की राष्ट्रीयता की बात करना व्यर्थ है

वी वी गिरी